राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की 151 वीं जयंती पर संस्थान में इंटरनेट के माध्यम से एक व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कटाई-उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 151 वीं जयंती को हर्ष, उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम वर्ष-2020 के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस में पूर्ण सप्ताह 25 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक विभिन्न आयोजित कार्यक्रमों की श्रंख्ला के अन्तर्गत दिनांक 02 अक्टूबर 2020 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान में इंटरनेट के माध्यम से एक व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. आर. के. सिंह, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-सीफेट, लुधियाना ने मानीनय महोदय मुख्य अथिति एवं वक्ता, प्राध्यापक डॉ. दिनेश चन्द्र राय, प्रभागाध्यक्ष, दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का स्वागत किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि देते हुए अपने संबोधन में डॉ. आर. के. सिंह ने महात्मा गांधी जी की शिक्षाओं की प्रासंगिकता तथा आदर्शों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज भारतीय युवा कठिन समय का सामना कर रहा है। आजादी के सात दशकों के बाद युवा नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से अधिक नैतिक तो हो गए हैं, पर स्वतंत्रता के बाद के दिनों की तुलना में उद्देश्य की भावना में आज की युवा पीढ़ी भटक रही है। डॉ. दिनेश चन्द्र राय ने वक्ता के रूप में उक्त कार्यक्रम में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसका विषय 'गांधीवाद की अवधारणा' था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नैतिक, चारित्रिक सांस्कृतिक आत्मविकास एवं उनके जीवन के अमूल्य संदेशों से परिपूर्ण अपने व्याख्यान द्वारा संस्थान के समस्त अधिकारी, कर्मचारी को अपने जीवन में कैसे चरितार्थ करें, इसका मार्गदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में डॉ. अरमान उल्लाह मुज़ाद्दादी, प्रधान वैज्ञानिक की पुत्री आरना अरमान (सिल्की) ने गांधी जी के जीवन आदर्श के उपर स्वरचित एक मधुर गीत की प्रस्तुति दी। डॉ. आर.के. सिंह ने संस्थान में किये गये शोध कार्यों का ब्योरा देते हुए बताया कि कृषि प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, प्रसार और कौशल विकास के माध्यम से ग्रामीण जनसमुदाय के सशक्तिकरण की दिशा में संस्थान अग्रसर है। संस्थान, ग्रामीणों की आजीविका को बढ़ाकर उन्हें सक्षम बनाने में सतत प्रयासरत है। संस्थान द्वारा छोटे किसानो, लघु उद्यमियों विभिन्न प्रकार के खाद्य प्रसंस्करण करने में तकनिकी सहायता देना, ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देना, गांव के खाद्य उत्पाद का शहरी क्षेत्रों में उपयोग पर बढावा देना ताकि ग्रामीण क्षेत्र में बनी बस्तुओं को प्रोत्साहन मिल सके, इस पर निरंतर कार्य कर रहा है ।

डॉ. दिनेश चन्द्र राय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने सीफेट संस्थान में किये गये कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीफेट ने विभिन्न प्रकार की प्रोसेसिंग मशीन, खाद्य उत्पादों इत्यादि की तकनीक विकसित करके समाज के उत्थान के लिए सकारात्मक योगदान दिया है। इस कार्यक्रम में संस्थान के दोनों कैंपस के समस्त सदस्य स्टाफ उपस्थित हुआ और कार्यक्रम को अति उत्साह पूर्वक मनाया। डॉ.

आर. के. सिंह, निदेशक एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राहुल कु. अनुराग, वैज्ञानिक ने गांधी जयंती के अवसर पर डॉ. दिनेश चन्द्र राय को सीफेट परिवार की तरफ से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी पर उनके विचार रखने व मार्गदर्शन के लिए धन्यावाद किया।